भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **4703**
दिनांक **22** जुलाई, 2019

प्राकृतिक गैस के उत्पादन में नुकसान

4703. श्री पी॰ के॰ कुनहा लकु ीः
श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंतः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या यह सच है क तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के एक वक्तव्य के अनुसार प्राकृतिक गैस अब मुनाफे का सौदा नहीं रहा चूं क उत्पादन लागत मौजूदा गैस मूल्य से कहीं अ धक है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है क पछले 18 माह के दौरान हुई गैस मूल्यों में गरावट के कारण ओएनजीसी को राजस्व पर 5000 करोड़ रुपए से अ धक का नुकसान हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/प्रस्ता वत हैं?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (घ): भारत सरकार ने दिनांक 25.10.2014 को "नए घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण दिशा निर्देश, 2014 अ धसू चत कए थे। यह मूल्य निर्धारण व्यवस्था सूत्र आधारित है और इसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों जैसे क हेनरी हब, नेशनल बैलें संग प्वाइंट, अलर्बटा और रूस में प्रच लत मात्राओं और मूल्यों को ध्यान में रखते हुए तैयार कया गया है। इस फार्मूला को उत्पादक और उपभोक्ता क्षेत्रों की जरुरतों/हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार कया गया है। उक्त दिशा निर्देशों के अनुसार प्रत्येक छः माह के बाद मूल्य निर्धारित कए जाते हैं। इसके अलावा, सरकार ने खोजे गए लघु क्षेत्र नीति (डीएसएफ) के तहत गहरे समुद्री, अत्य धक गहरे समुद्री और उच्च दाब-उच्च तापमान वाले क्षेत्रों में गैस खोजों हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसें संग नीति (एचईएलपी) और कोल बेड मथेन (सीबीएम) सं वदाओं के तहत मूल्य निर्धारण और वपणन की आजादी दी है।

गैस मूल्यों में पछले दो वर्षों के दौरान भी वृ द्ध होती रही है। दिनांक 01.04.2017 की स्थिति के अनुसार, समग्र ऊर्जा मूल्य (जीसीवी) आधार पर गैस मूल्य 2.48 अमरीकी डॉलर

प्रति म लयन ब्रिटिस थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) थे, जो दिनांक 01.04.2019 की स्थिति के अनुसार बढ़कर 3.69 अमरीकी डॉलर/एमएमबीटीयू हो गई है। प्राकृतिक गैस की उत्पादन लागत कई कारकों पर निर्भर होती है जैसे क गैस क्षेत्र का स्थल (अ भतट, उथले समुद्री, गहरे समुद्री) उत्पादित गैस की गुणवत्ता और संघटन, गैस का प्रकार-संबद्ध गैस अथवा गैर-संबद्ध गैस, गैस क्षेत्र का जीवनकाल और आकार, रिजवार्यर का प्रकार, संभार तंत्र, भू-सतह पर सु वधाओं की उपलब्धता, वनिमय दर आदि। चूं क उत्पादन लागत को प्रभा वत करने वाले कारक प्रत्येक गैस क्षेत्र के लए अलग-अलग होते हैं इस लए गैस की उत्पादन लागत क्षेत्र दर क्षेत्र भन्न होती है। इसके अलावा, ओएनजीसी के खातों में भी वृ द्धपरक लाभ दर्शाया गया है अर्थात ओएनजीसी का करोपरांत लाभ वत्त वर्ष 2015-16 में 16,004 करोड़ रुपए, वत्त वर्ष 2016-17 में 17,900 करोड़ रुपए, वत्त वर्ष 2017-18 में 19,945 करोड़ रुपए और 2018-19 में 26,716 करोड़ रुपए था।

****